भैयाजी दाणी सेवा न्यास, इन्दौर (मालवा प्रांत) का त्रैमासिक प्रकाशन

सेवा पथिक

पंजीयन क्र. MPHIN/2012/43472

वर्ष 13 अंक 1 वि.स. 2080 ❁ 16 जनवरी से 31 मार्च 2024 ❁ सेवा भारती मालवा प्रांत

सभी के हित का करते चिंतन
समग्रता से पूरा मंथन

– हिन्दू आध्यात्मिक सेवा मेला

झलकियाँ

प्रयागराज में एक थाली एक झोला अभियान चलाया जा रहा है जिसके अंतर्गत सेवा भारती इन्दौर द्वारा संचालित सिलाई केंद्रों पर 20000 झोलों का निर्माण करके प्रयागराज भेजा गया।

सेवा भारती कन्या छात्रावास सेवा मन्दिर,नीमच की बालिकाओं ने लिया लिप्पन कला का प्रशिक्षण।

सेवा भारती द्वारा संचालित बालिका छात्रावास मालवई आलीराजपुर में डॉ.रेखा कनेश (ऋक्क्स्य द्व.श्र.)जिला चिकित्सालय आलीराजपुर के द्वारा बालिकाओं का हेल्थ कार्ड बनाकर उनका स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। साथ ही व्यक्तिगत स्वास्थ्य के विषय में जानकारी दी गई।

सेवा भारती मालवा प्रान्त, विभाग खण्डवा के सुपोषण जागरूकता अभियान से प्रेरित होकर आँगन वाडी की बहनों ने लगाई सुपोषण प्रदर्शनी।

वाल्मीकि सेवाबस्ती में सेवा भारती रतलाम द्वारा संचालित गोगा देव केंद्र पर समाजसेवी श्री मान जी की ओर से 40 स्वेटर एवं मिठाई वितरित की गई।

सेवा पथिक

त्रैमासिक पत्रिका

इन्दौर मालवा प्रांत का मुखपत्र

विक्रम संवत् 2080
1 जुलाई से 30 सितम्बर 2024
वर्ष 12 अंक 3

संपादक

रमेशचन्द चौहान
262 ए, पार्श्वनाथ नगर, इन्दौर

संपादकीय कार्यालय
76, अर्चना, रामबाग, इन्दौर म.प्र.

प्रकाशक
ओम प्रकाश अग्रवाल

मुद्रक
मुद्रांकण ऑफसेट
36, जूना, तुकोगंज, इन्दौर

संपादकीय.....

समाज के अभावग्रस्त,वंचित,पीड़ित एवं उपेक्षित वर्ग को समाज की मुख्यधारा से जोड़ते हुए अग्रिम पंक्ति में लाने हेतु राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक एवं सेवा भारती के कार्यकर्ता सतत् सेवा कार्यों में संलग्न रहते हैं। विभिन्न प्रकल्पों के माध्यम से अनेक गतिविधियां पूरे मालवा प्रांत में संचालित की जा रही हैं। नित्य नए प्रकल्पों की शुरुआत सेवा भारती के कार्यों को गति प्रदान कर रहे हैं और इस गति को निरन्तरता देने का काम कर रहा है समाज। वही समाज जो वर्ष भर अपने सेवा के भाव से हमें तन मन धन से सहयोग करता आ रहा है। विशिष्ट रूप से मकर संक्रांति के समय संघ के निधि अभियान से जुड़कर हमारे प्रकल्पों के उचित संचालन के लिए एक मजबूत नींव खड़ी करने में खुले हृदय से सहयोग करता है। वैसे तो वर्ष भर समाज जन किसी ना किसी रूप में सहयोग करते ही हैं किंतु समाज के इसी दान देने के भाव को बनाए रखने हेतु मकर संक्रांति के समय 15 दिनों के लिए निधि संग्रह अभियान चलता है जिसमें समाज अपने सामर्थ्य अनुसार सहयोग करता है। उनका यही सहयोग हमारे कार्यों को गतिशीलता प्रदान करता है। फलस्वरूप आज इसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। छात्रावासों में बालक/बालिकाओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन रहे, सुपोषण जागरूकता अभियान के माध्यम से संपूर्ण समाज में जागरूकता लाने में हम सफल रहे और इस दिशा में निरंतर नि:शुल्क स्वास्थ्य एवं रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, प्रशिक्षण वर्गों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं एवं युवाओं को स्वावलंबी बनाने के सफल प्रयास किए गए, चलित चिकित्सालय के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में उत्तम स्वास्थ्य सेवाएँ पहुंचाई जा रही हैं। सेवितजन को सेवक बनाने में हम निरंतर प्रयासरत हैं। सेवित जनों में आत्मविश्वास एवम सेवा भाव जाग्रत हो इसी विचार के साथ यह अंक संघ व सेवा भारती के कुछ चयनित सेवा कार्यों को आपके समक्ष पहुंचाने का एक छोटा सा प्रयास है।

लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर : आदर्श शासक, महान नारी

निष्पक्ष व कर्तव्यनिष्ठ, पुत्र के लिए दिया मृत्युदंड का आदेश....

मालवा की रानी **देवी अहिल्या बाई होलकर** उन्हें मालवा का सूर्य कहा जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। मध्यकालीन भारत की महान कर्मठ, धर्मपरायण मराठा शासक जिनका शासनकाल भारतीय इतिहास का एक गौरवमय युग था, 13 अगस्त 1795 को उनकी मृत्यु के साथ समाप्त हुआ।

विनम्र व क्षमाशील होने के विरुद्ध देवी अहिल्याबाई न्याय व्यवस्था के पालन में अत्यंत सजग व निष्पक्ष थी। उनकी दृष्टि में अपराधी, अपराधी ही होता था फिर वह चाहे आम नागरिक हो या राजपरिवार का सदस्य। निर्णय कितना भी कठोर हो वह निष्पक्ष होता था। उनके जीवन का सबसे कठिन और अवाक कर देने वाला निर्णय था, स्वयं के पुत्र हेतु मृत्युदंड का निर्णय।

एक समय की बात है इन्दौर नगर के किसी मार्ग के किनारे एक गाय अपने बछड़े के साथ खड़ी थी, तभी देवी अहिल्याबाई के पुत्र मालोजीराव अपने रथ पर सवार होकर वहां से निकले। मालोजीराव की असावधानी के कारण गाय का बछड़ा उनके रथ की चपेट में आकर मर गया। गाय बहुत देर तक अपने बछड़े की मृत्यु पर विलाप करती रही। तत्पश्चात उठकर देवी अहिल्याबाई के दरबार के बाहर टंगे उस घण्टे के पास जा पहुँची, जिसे अहिल्याबाई ने प्राचीन राजपरम्परा के अनुसार त्वरित न्याय हेतु विशेष रूप से लगवाया था। घण्टे की आवाज सुनकर देवी अहिल्याबाई ने देखा कि एक गाय न्याय का घन्टा बजा रही है। देवी ने तुरन्त गाय के मालिक को दरबार में उपस्थित होने का आदेश दिया। कुछ देर बाद गाय का मालिक हाथ जोड़ कर दरबार में खड़ा था। देवी अहिल्याबाई ने संपूर्ण वस्तुस्थिति को समझा और अपने पुत्र को अपराधी जानकर तनिक भी विचलित हुए बिना अपने पुत्र के लिए मृत्युदंड का आदेश दे दिया। मालोजी राव को उसी स्थान पर हाथ -पैर बाँधकर उसी अवस्था में मार्ग पर डाल दिया गया। जब रथ के सारथी ने मालो जी पर रथ चढ़ाने से मना कर दिया तब देवी अहिल्याबाई स्वंय रथ पर सवार हुई और मालोजी की ओर रथ को तेजी से दौड़ाया, तभी अचानक एक अप्रत्याशित घटना हुई। रथ निकट आते ही फरियादी गौ माता रथ के निकट आ कर खड़ी हो गयी। गौ माता को हटाकर देवी ने पुनः एक बार रथ दौड़ाया , लेकिन फिर से गौ माता रथ के सामने आ खड़ी हो गयी। देवी अहिल्या के नेत्रों से अश्रुधारा बह निकली। गौ माता ने स्वंय का पुत्र खोकर भी उसके हत्यारे के प्राण ममता से वशीभूत होकर बचाये। जिस स्थान पर गौ माता आड़ी खड़ी हुई थी, वही स्थान आज इन्दौर में (राजबाड़ा के पास) आड़ा बाजार के नाम से जाना जाता है।

मानव और पशुओं के दर्द को समान रूप से देखने वाली, न्याय को सर्वोपरि रखने वाली, देवी अहिल्याबाई के कर्तव्य की पराकाष्ठा देखिए , किस साहस से उन्होंने अपने पुत्र को मृत्युदण्ड सुनकर न्याय की रक्षा की होगी !

सहस्त्र नमन ऐसी कर्त्तव्यपरायण देवी अहिल्या को।

हिन्दू आध्यात्मिक एवं सेवा मेला

सेवा कार्य प्रदर्शकों को सेवा के नए आयाम सिखा गया मेला

हिन्दू संस्कृति प्रारंभ से ही मानवता वादी रही है एवं भारतीय व्यवहार में %परोपकार% धर्म के रूप में स्थापित है। हिन्दू जीवन शैली का यह पक्ष विश्व पटल पर लाने एवं आध्यात्मिक सेवा संस्थाओं एवं अन्य सेवाभावी संस्थाओं आदि की प्रेरक एवं वंदनीय मानव सेवाओं को एक मंच प्रदान करने हेतु हिन्दू आध्यात्मिक एवं सेवा मेलों का आरंभ हुआ 7 तेजी से विकासशील होता देश और यहां के युवा अपने संस्कारों और सेयता को पीछे छोड़ते जा रहे हैं। विकास करने के साथ-साथ उत्कृष्ट समाज की स्थापना गुरुओं और शिक्षाविदों का भी दायित्व है। अतः सनातन धर्म के समक्ष उपस्थित सम-सामयिक चुनौतियों के समाधान का एक अनुपम अभियान हिंदू आध्यात्मिक सेवा मेला द्वारा शुरू किया गया है।

इसी क्रम में भारत की पुरातन संस्कृति, संस्कार, सेयता और आध्यात्म को वर्तमान पीढ़ी से अवगत कराने के उद्देश्य से इन्दौर के लालबाग परिसर में दिनांक 28 नवंबर से 2 दिसंबर 2024 तक ॥स्स्न(हिंदू आध्यात्मिक सेवा मेला)का पांच दिवसीय आयोजन संपन्न हुआ।

÷नारी की रक्षा करना नारी का नहीं समाज का कार्य होता है÷

उक्त विचार त्रिदंडी श्रीमन्नारायण रामानुज चिन्न जीयर स्वामीजी महाराज ने सेवा मेले के उद्घाटन समारोह में धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

नारी शक्ति को समर्पित इस मेले में छः वैचारिक अधिष्ठानों (थीम) पर आधारित कार्यक्रमों के साथ साथ सेवा भारती सहित लगभग 80 से अधिक हत्नह एवं 50 से अधिक समाजों (मठ - मंदिर, जाति - समाज एवं अन्य सेवा संगठन) के प्रतिनिधि मंडल ने अपने अपने स्टालों के माध्यम से अपनी समाज सेवा की दिशा में किए जा रहे सेवा कार्य व उनकी गतिविधियों तथा उपलब्धियों को जन-जन से अवगत कराया। मेले में जहां आम नागरिकों को संस्कृति व संस्कार का समागम देखने को मिला तो वहीं दूसरी ओर मठ-मंदिरों की झांकियां भी यहां देखने को मिली।

इस पांच दिवसीय मेले में आयोजित मुय कार्यक्रम रहे -

शस्त्र आराधना यात्रा -- मातृशक्तियों के मान, सेमान, स्वाभिमान व नारी सशक्तिकरण के उद्देश्य से निकाली गई शस्त्र आराधना यात्रा में पांच हजार से अधिक महिलाएं, युवतियां व बालिकाओं ने किया शौर्य प्रदर्शन

आचार्य वंदन कार्यक्रम -- 500 शिक्षकों का 1000 विद्यार्थियों ने वैदिक मंत्रोउच्चार के मध्य किया पूजन

शिक्षाविद सेमेलन -- सीबीएसई और एमपी बोर्ड के विद्यालय की प्रधानाचार्य एवं महाविद्यालय शिक्षाविदों का समागम

रग रग हिंदू मेरा परिचय -- बागेश्वर धाम पीठाधिश्वर धीरेंद्र शास्त्री ने किया युवाओं को संबोधित

मातृ-पितृ वंदन कार्यक्रम -- महर्षि ध्यान योगी पूज्य उत्तम स्वामी जी महाराज के पावन सानिध्य में विभिन्न समाजों के चयनित 500 परिवारों द्वारा अपने वरिष्ठ जनों का किया गया पूजन

गर्भ संस्कार एवं दिव्य संतान प्रकल्प -- हमारी आने वाली पीढ़ी को स्वस्थ, संस्कारी और दायित्ववान एवं नव राष्ट्र निर्माण के लिए आदर्श नागरिक का सृजन करने के उद्देश्य से पांच हजार गर्भवती महिलाओं को दिव्य संतान प्राप्ति के लिए मार्गदर्शन देने के लिए सूरत और जामनगर से जहां विशेषज्ञ इन्दौर पहुंचे वहीं संतों द्वारा मंत्रोउच्चार के साथ आशीर्वचन भी प्राप्त हुए। इस आयोजन में न केवल हिंदू वर्ग की महिलाएं सेंमिलित हुई अपितु मुस्लिम एवं ईसाई समाज की गर्भवतियों ने भी अपने आने वाली संतान के लिए आशीष लिया।

इस सेवा मेले में प्रदेश से आए सेवा कार्यों के लिए उपस्थित रही सभी संस्थाओं को एक दूसरे के अनुभवों से न केवल सीखने को मिला है अपितु हिंदु आध्यात्मिक सेवा मेले को भी एक नई सोच प्रदान हुई है। मेले में राष्ट्रीय स्तर की 10 और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की 4 संस्थाओं के साथ देवास की दो, मनावर, उज्जैन, शाजापुर, महू, मंदसौर से भी एक-एक संस्था ने सेवा मेले में सहभागिता की।

मेरी बस्ती मेरी अयोध्या

उन्हेल नगर में सेवा कार्य प्रारंभ होने के साथ ही उज्जैन विभाग के उज्जैन महानगर,नागदा और उज्जैन ग्रामीण, तीनों जिलों के जिला केंद्र और सभी अन्य नगर हुए सेवा कार्ययुक्त

इंदौर महानगर के ÷मेरी बस्ती मेरी अयोध्या÷ अभियान से प्रेरित हो सेवा भारती उज्जैन ने उज्जैन महानगर की सभी 124 सेवा बस्तियों को सेवा कार्ययुक्त करने का लक्ष्य गत वर्ष प्राप्त कर लिया था। इसके पश्चात उज्जैन ग्रामीण और नागदा जिले के सभी नगरीय केन्द्रों को सेवा कार्ययुक्त करने और नागदा नगर की 20 सेवा बस्तियों को 22 जनवरी 2025 तक सेवा कार्ययुक्त करने का लक्ष्य लिया गया। इस हेतु सेवा भारती कार्यकर्ता, समिति एवं सेवा विभाग, निरंतर अपने निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने में प्रयासरत थे। उत्तम योजना से अपने कार्यविस्तार को और अधिक गति देते हुए सभी के सामुहिक प्रयास, समन्वय एवं पूर्ण समर्पण से यह संकल्पित लक्ष्य समय से पूर्व ही दिसेंबर 2024 तक प्राप्त कर लिया गया।

किसी भी बस्ती को सेवायुक्त करना सरल नहीं है। बस्तीवासियों से निरंतर संपर्क कर, उनकी आवश्यकताओं को समझना, उनके और स्वयं के बीच की दूरी समाप्त करना, अपने मन में उनके प्रति श्रद्धा और विश्वास उत्पन्न करना और इन सबके लिए होना चाहिए सेवा समर्पण भाव। तत्पश्चात सेवा भारती के चारों आयामों शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन, तथा सामाजिक के अनुसार, बस्ती की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सेवा प्रकल्पों का योजना अनुसार संचालन सुनियोजित किया गया।

नागदा नगर पूर्ण होने के साथ ही नागदा जिले के उन्हेल नगर की तीनों सेवा बस्तियाँ एवं उज्जैन ग्रामीण जिले के माकडोन नगर की दोनों सेवा बस्तियाँ भी सेवा कार्ययुक्त हो गई है और ये दोनों नगर भी पूर्ण हो गए हैं।

वर्तमान में उज्जैन विभाग में उज्जैन महानगर,नागदा,उन्हेल और माकडोन पूर्ण नगर हो गए हैं। आगामी वर्ष में शेष अन्य नगरों को पूर्ण करने के साथ ही 5000 से अधिक आबादी वाले ग्रामों में भी सेवा कार्य प्रारंभ करने का लक्ष्य लिया गया है।

पाक कला प्रशिक्षण

सेवा भारती द्वारा संचालित बालिका छात्रावास मालवाई,आलीराजपुर में दीपावली के शुभ अवसर पर छात्रावास की बालिकाओं को मिठाई (रसगुल्ले व नारियल बर्फी) बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। यह दोनों मिठाईयाँ बहुत ही कम सामग्री एवं कम संसाधनों में तैयार हो जाती हैं। साथ ही ये बनाने में अति सरल एवं शीघ्र पाचक होती हैं। इस प्रशिक्षण में जो मिठाई तैयार हुई है इनके पैकेट बालिकाओं को दीप पर्व पर घर हेतु भेंट किए गए ।

चलित चिकित्सालय : दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु संकल्परत

झाबुआ एवं मानपुर के सुदूर ग्रामीण क्षेत्र जहां के जनजातीय समाज में स्वास्थ्य को लेकर अज्ञानता और असावधानी सदैव बनी रहती है। अति पिछड़ापन और वन्य आच्छादित होने के कारण इन क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार शून्य बराबर है। जिसके कारण झक्क् कैंसर , सोराइसिस, भेंगापन, आंखों का तिरछा होना, सिकल सेल इत्यादि रोगों की यहां बहुलता है। ऐसे क्षेत्रों का चयन करके सेवा भारती के माध्यम से चलित चिकित्सालय द्वारा उत्तम स्वास्थ

सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। यह मोबाइल वैन न केवल आवश्यक चिकित्सा देखभाल प्रदान कर रही है, अपितु स्वास्थ्य शिक्षा और रोगों की रोकथाम करने में भी मुय भूमिका निभा रही हैं।

सेवा भारती द्वारा संचालित जनजातीय सशक्तिकरण केंद्र बड़ा घोंसलिया मेघनगर झाबुआ में आरोग्य आयाम के अन्तर्गत भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और भैया जी दाणी सेवा न्यास के सहयोग से वित्तपोषित मोबाइल मेडिकल यूनिट (रू) परियोजना ने वंचित समुदायों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने में उल्लेखनीय प्रगति की है। यह पहल 16 सितेबर 2024 को अपने प्रथम चिकित्सा शिविर के आयोजन के साथ प्रारंभ हुई। अब तक इसने लक्षित गांवों में सात सफल चिकित्सा शिविर आयोजित किए हैं। रोगियों का पूरा इतिहास और लक्षणों का आंकलन करके ही निदान प्रक्रिया प्रारंभ की जाती है तथा बुखार, ऋझढ्, दस्त,फंगल इन्फेक्शन, द्धद्धद्ध बीपी, शुगर,महिलाओं से सेबन्धित रोग और मस्कुलोस्केलेटल दर्द जैसे सामान्य रोगों के लिए निःशुल्क दवाओं का वितरण किया जाता है। चलित चिकित्सालय द्वारा अभी तक चयनित 10 ग्रामों में जांच शिविरों के माध्यम से 845 जांचे(अत्यंत निन मूल्य पर) की गई एवं 2000 ग्रामवासियों के मध्य स्वास्थ्य जागरण किया गया। 356 रोगियों का शहर के बड़े हॉस्पिटल में समाज सहयोग से निःशुल्क इलाज करवाया गया। 200 रोगियों को आयुष्मान कार्ड से सहायता कर लाभ दिलवाया गया। 3 गांवों में बच्चों की जांच के समय 5 बच्चों में प्रारंभिक कैंसर के लक्षण पाए गए जिनका विशेष ध्यान रखते हुए उपचार, जाँच एवं औषधि प्रदान की जा रही है। इस क्षेत्र में सिकल सेल बहुतायत है जिसके लिए अभी तक 30 जागरण शिविर किए जा चुके हैं जिनमें 21 रोगियों को चिन्हित किया गया। इन रोगियों का जिला अस्पताल से कार्ड बनवा कर उपचार किया जा रहा है। प्रति 5 वे दिन इनके निरीक्षण के लिए नर्स दीदी को भेजा जाता है जिससे उनके सुपोषित आहार, व्यायाम एवं स्वच्छता में नियमितता हुई है। चलित चिकित्सालय की इस सुव्यवस्थित कार्यप्रणाली से प्रभावित होकर निकट के छोटे बड़े हॉस्पिटल सेवा भारती द्वारा उपचार हेतु भेजे गए रोगियों को अति निन मूल्य पर चिकित्सा उपलब्ध करा रहे हैं। शासकीय एवं प्राइवेट डॉक्टर भी प्रत्येक जांच शिविर में निःशुल्क जांच के साथ 4 घंटे का समयदान करते हैं साथ ही स्वयं धन सहयोग से रोगियों के चाय पानी व अल्पाहार की भी व्यवस्था करते हैं।

भैया जी दाणी सेवा न्यास एवं सेवा भारती इंदौर महू शाखा द्वारा मानपुर क्षेत्र में दिनाँक 4 सितंबर 2024 को चलित चिकित्सालय का लोकार्पण किया गया जो वर्तमान में चिन्हित 52 ग्रामों में अपनी चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध करा रही है। इन 52 ग्रामों को 6 सेक्टर में विभाजित किया गया है और प्रत्येक सेक्टर 8 से 10 गांव लेकर बनाया गया है। इस कार्य को व्यवस्थित करने हेतु हर सेक्टर और ग्राम में प्रभारी नियुक्त किए गए हैं जो मोबाइल वैन के आने से पहले ही रोगियों को चिन्हित करके रखते हैं जिससे वैन के आते ही उपचार प्रक्रिया आरंभ हो सके। प्रत्येक सेक्टर में सप्ताह में एक दिन मेडिकल वैन सेवाएं प्रदान की जा रही है। सिकल सेल के रोगियों के लिए

वरदान सिद्ध हो रही, डॉक्टर, नर्स और आवश्यक दवाओं से युक्त इस मेडिकल वैन के माध्यम से अभी तक 2095 रोगी लाभान्वित हुए। इन चलित चिकित्सालयों ने वंचित समुदायों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं के अंतर को कम करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आवश्यक चिकित्सा देखभाल के साथ साथ स्वास्थ्य शिक्षा और रोगों की रोकथाम के प्रति जागरूकता को भी बढ़ावा दिया है, जिससे समाज को सशक्त बनाते हुए स्वस्थ समुदायों का निर्माण किया जा सके।

वर्षों पुरानी पारीवारिक परंपरा को एक दिन के लिए किया सजीवित

पाँच गाँवों से पधारी 100 की संया में माताओं एवं पुत्रियों के मध्य हुआ संवाद, खुलकर अपनी व्यथा, अपने अनुभव कहने का मिला अवसर

सेवा भारती बालिका छात्रावास **जीवन उमंग**, मालवई आलीराजपुर में वार्ता कथन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वर्षो पहले परिवार की बुजुर्ग महिलाएं अपने परिवार की किशोरियों में नैतिक समझ विकसित करने हेतु रात्रि के समय सोने के पूर्व वार्ता (लंबी लंबी कहानियां) के माध्यम से प्रतिदिन संवाद का कार्य करती थी और एक जीवनोपयोगी पाठ बालिकाओं को समझा देती थीं। किन्तु कई कारणों से आज यह प्रक्रिया परिवारों से समाप्त हो चुकी है। अतः किशोरी विकास आयाम के अंतर्गत 5 चयनित गाँवों से 60 माताओं और 40 बालिकाओं को बुलाया गया। और बिना किसी औपचारिकता के पारिवारिक वातावरण में उनके मध्य संवाद हुआ। दोनों ओर से क्रमशः वार्ता सुनने सुनाने का कार्य हुआ। इस वार्ता कथन को स्थानीय राठवी, पालवी, बारिया और निमाड़ी भाषा

में उच्चारित किया गया। चूंकि सभी महिलाए ग्रामीण क्षेत्र से थीं अतः उनकी सुविधा का ध्यान रखते हुए कार्यक्रम में किसी नगरीय व्यक्ति को आमंत्रित नहीं किया गया था। 5 घंटे के इस कथन कार्यक्रम में अलग अलग समूह में लगभग 30 मातृशक्तियों ने अपनी अपनी वार्ता कही। समूहों की बैठक व्यवस्था एवं कार्यक्रम का संचालन छात्रावास की बालिकाओं ने किया ।

पत्तल दोने बनाने की कला को किया पुनर्जीवित

ग्रामीण वर्ग को व्यवसाय के नए अवसर प्रदान करने हेतु सेवा भारती द्वारा लगाया गया 5 दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग

सेवा भारती द्वारा संचालित प्रकल्प जनजातीय सशक्तिकरण केंद्र,मेघनगर झाबुआ अपने विभिन्न कौशल विकास के कार्यक्रम एवं प्रशिक्षण वर्गो के लिए जाना जाता है। इन प्रशिक्षणों के माध्यम से युवाओं को तो स्वावलंबी बनाने के लिए एक सशक्त आधार उपलब्ध कराया जा ही रहा है साथ में ग्रामीण महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनाने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं । इसी कड़ी में (पूर्व में 2 प्रशिक्षण वर्गों का प्रयोगात्मक आयोजन हो चुका) , महिला सशक्तिकरण के अंतर्गत खालसा ग्राम की महिलाओं को पत्तल दोने बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। इस 5 दिवसीय वर्ग में प्रतिदिन 3 घंटे के प्रशिक्षण द्वारा 8000 पत्तल और दोने का निर्माण किया गया जिसमें पलाश तथा कदेब वृक्ष के पत्तों और नीम के छोटे पतले तिनकों का उपयोग किया गया। पत्तल दोने दिखने में जितने साधारण होते हैं इनके बनाने की प्रक्रिया उतनी ही कठिन तथा पर्यावरण की दृष्टि से उतने ही लाभकारी। लगभग लुप्तप्राय होती इस कला को प्रशिक्षण वर्ग के माध्यम से पुनः सजीवित करने का प्रयास किया सेवा भारती झाबुआ ने।

पर्यावरण अनुकूलन के साथ जैविक कृषि, हार्ड ह्यूस निर्माण में ये पत्तल दोनो का कचरा सबसे अधिक महत्व रखता है। चूंकि इन्हें बनाने व सुखाने की प्रक्रिया तेज धूप में नहीं अपितु हवादार स्थान पर की जाती है, अतः इसके सभी गुण संग्रहित रहते हैं और उपयोग के बाद अन्न के जो कण चिपके रह जाते हैं वो कण केंचुवे के

भोजन हेतु अत्यधिक पोषणयुक्त होने से जल्दी ही अवशोषित हो कर खाद में परिवर्तित हो जाते हैं। इसका प्रत्यक्ष प्रयोग केंद्र पर किया जा चुका है।

वर्तमान समय में कागज ,पोलिथीन, प्लास्टिक के पात्र आ जाने से पत्तल दोने जैसे प्राकृतिक पात्रों का चलन लगभग बंद हो चुका था। ऐसे में इस कला को पुनर्जीवित करने का कार्य प्रशिक्षण वर्ग के माध्यम से किया गया साथ ही इनके विक्रय की व्यवस्था भी कार्यकर्ताओं द्वारा की जा रही है । निरंतर इनकी मांग में वृद्धि होने से ग्रामीण वर्ग के पास भी जीविकोपार्जन के लिए व्यवसाय के अवसर प्राप्त हो रहे हैं।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

इन्दौर महानगर की भोलेनाथ धाम शाखा, चंद्रगुप्त नगर की सूरज नगर सेवा बस्ती में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन हुआ जिसमें 104 परिवार लाभान्वित हुए। शिविर में सभी जाँच एवं आवश्यक दवाइयाँ नि:शुल्क थी। 56 ब्लड सैंपल जांच हेतु लिए गए जिसके लिए मेदान्ता हॉस्पिटल की लैब टीम उपस्थित थी। साथ ही पात्र व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड भी बनाए गए। शिविर में MBBS चिकित्सक डॉ राजेंद्र वर्मा, डॉ आर एच राजवल एवं डॉ हरीश आर्य ने 3 घण्टे तक अपनी सेवाएं प्रदान की।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

इंदौर विभाग द्वारिका जिला भगतसिंह नगर राजगुरु शाखा कि गोद ली सेवा बस्ती इंद्रानगर में स्ष्ट्ज्ञ मेडिकल कॉलेज अस्पताल व सेवा भारती इंदौर के माध्यम से बस्ती में स्वस्थ परिक्षण शिविर आयोजित किया गया। स्ष्ट्ज्ञ के 14 डॉक्टर्स की टीम ने अपनी सेवाएं दी जिससे 112 की सेंया में बस्ती के रहवासी लाभान्वित हुए। 25 गंभीर रोगों से ग्रसित रोगियों को अस्पताल में भर्ती कराकर उनका नि:शुल्क उपचार किया गया।

व्यंजन प्रशिक्षण

सेवा भारती कन्या छात्रावास सेवा मंदिर नीमच की बालिकाओं ने लिया अमृत फल आंवले के व्यंजन बनाने का प्रशिक्षण

आंवला के चमत्कारी ,औषधीय, पौष्टिक और स्वाद से भरपूर तत्वों के फल स्वरूप इसका पूर्ण सदुपयोग हो सके, इस हेतु

पालक समिति सदस्य श्रीमति शिवा मित्तल द्वारा बालिकाओं को आंवले की कैंडी बनाना सिखाया गया द्य छात्रावास परिसर में आंवलें के पेड़ होने के कारण उसका उपयोग खाद्य सामग्री व अन्य पेय पदार्थ में कैसे कर सकते हैं इसका प्रशिक्षण भी दिया साथ ही आंवले के औषधीय गुणों की जानकारी दी गई द्य

कला कौशल प्रशिक्षण

सेवा भारती बालिका छात्रावास **सेवा मन्दिर** नीमच की बालिका साधना एवं पूजा ने कल्पना चावला किशोरी विकास प्रकल्प की बालिकाओं को पेपर आर्ट एंड क्राफ्ट का प्रशिक्षण दिया। जिसके अंतर्गत कागज के फूल, झूमर ,तोरण बनाना सिखाया गया द्य छात्रावास की बालिकाओं द्वारा कला के साथ - साथ किशोरी बहनों को गीत अेयास, किशोरी विकास प्रार्थना का भी अेयास कराया गया।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

माधव सेवा न्यास, भारत माता मंदिर उज्जैन के तत्वावधान में ग्राम पंथ पिपलाई जिला उज्जैन में विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 121 की संख्या जनमानस लाभान्वित हुए। शिविर में नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण के साथ साथ ग्रामवासियों को नि:शुल्क दवाई भी उपलब्ध करवाई गई। शिविर का उद्घाटन ग्राम पंचायत पंथ पिपलाई के सरपंच श्री मोहन सिंह जी आसावत के मुय आतिथ्य में हुआ। इस शिविर में उज्जैन के वैद्य ओम पालीवाल, वैद्य एस.एन.पांडे, वैद्य चन्द्र शर्मा, वैद्य दिवाकर पटेल, वैद्य रामतीर्थ, वैद्य हेमन्त रावल, वैद्य बैरागी, वैद्य एस.एन.चतुर्वेदी, वैद्य रविन्द्र सिंह भाटी, वैद्य विक्रांत तिवारी, दवाई साज जूनवाल और अन्य BHMS विद्यार्थियों की विशेष भूमिका रही। इसके साथ ही यह कार्यक्रम स्थानीय व्यवस्था टोली के सक्रिय कार्यकर्ताओं के कुशल प्रबंधन से सम्पन्न हुआ। डॉ.ओम पालीवाल ने आयुर्वेद का महत्व समझाते हुए प्राचीन भारतीय चिकित्सा एवं न्यास के सेवा कार्यों का परिचय दिया।

मिट्टी पानी धूप हवा सब रोगों की एक दवा

सेवा भारती सेवा न्यास आगर मालवा प्रान्त द्वारा विश्व प्राकृतिक चिकित्सा दिवस के अवसर पर शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आगर के छात्र-छात्राओं से परिचर्चा की गई। स्वास्थ्य मंदिर प्राकृतिक चिकित्सा योग एवं अनुसंधान केंद्र के चिकित्सक डॉक्टर गिरधर पटेल ने प्राकृतिक चिकित्सा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान समय में प्राकृतिक चिकित्सा का विशेष महत्व है। प्राकृतिक चिकित्सा जीवन जीने की पद्धति है । वर्तमान में हम प्रकृति से जैसे-जैसे दूर हो रहे हैं वैसे-वैसे रोग हमको पकड़ रहे हैं । डॉ पटेल ने स्वस्थ रहने के लिए योग प्राणायाम व प्राकृतिक चिकित्सा को जीवन का अंग बनाने का अनुरोध किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री संजय जी उपाध्याय उपस्थित थे।

मार्शल कला का प्रशिक्षण

महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों को ध्यान में रखते हुए, वे स्वयं की रक्षा में समर्थ हो सकें तथा वे शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनें इस उद्देश्य से किया आयोजन

सेवा भारती बालिका छात्रावास, उज्जैन में कलरिप्पयट्टु संघ उज्जैन द्वारा विश्व की सबसे प्राचीन मार्शल आर्ट कला का प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया ।

कलरिप्पयट्टु संघ के अध्यक्ष डॉ. अविनाश जी बुन्दिवाल एवं संस्था के जिला सचिव एवं राष्ट्रीय खिलाडी श्री विशाल सिंह सोलंकी के मार्गदर्शन में प्रशिक्षक ऋषिका रायकवार तथा शिवपाल सिंह सिसोदिया द्वारा प्रशिक्षण दिया गया ।

कलरिप्पयट्टु प्रशिक्षण वर्ग के समापन समारोह में लगभग एक हजार बहनें सम्मिलित हुई, जिन्होनें युद्ध कला व आत्मरक्षा का प्रशिक्षण प्राप्त किया ।

सेवा पथिक मिलन कार्यक्रम

सेवा भारती इन्दौर द्वारा आयोजित किया गया सेवा पथिक मिलन कार्यक्रम

वर्षों से सेवा भारती एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा जन कल्याण, सक्षम एवं संस्कारित समाज निर्माण के लिए अनेकों प्रकल्प तथा गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इनके संचालन के लिए समाज ने समय समय पर अपनी उदारता का परिचय देते हुए खुले हृदय एवं मुक्त हस्त से सेवा भारती को सहयोग किया है। समाज के हितार्थ में कार्य करने वाले ऐसे सेवा पथिकों का अनौपचारिक मिलन कार्यक्रम दिनाँक 14 दिसम्बर को SGSITS के सिल्वर जुबली हॉल में डॉ प्रकाश जी शास्त्री (मा.प्रान्त संघचालक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री अनिल जी सतवानी (symbiotech pharma) एवं मुख्य वक्ता के रूप श्री सेंथिल कुमार जी (अखिल भारतीय सह सेवाप्रमुख, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) उपस्थित थे।

सेवा भारती मालवा प्रान्त

इंदौर महानगर द्वारा दिनाँक 16/12 को महावीर बाग, एरोड्रम रोड पर वैभव श्री स्वयं सहायता समूह समेलन का आयोजन

महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के साथ साथ उनमें संस्कारों का निर्माण करते हुए समाज में परिवर्तन लाने के उद्देश्य से वैभव श्री ने समाज में अपनी अलग पहचान बनाई है।

कार्यक्रम के मुेय अतिथि एवं वक्ता श्री सेंथिल कुमार जी(अखिल भारतीय सह सेवाप्रमुख, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) थे जिन्होंने अपने उद्बोधन में मातृशक्ति को लक्ष्मी, ज्ञान और वीरता का प्रतीक बताते हुए, समाज में परिवर्तन हेतु महिला शक्ति के सशक्तिकरण की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम में 85 स्वयं सहायता समूह की 160 बहनें उपस्थित थीं।

यह सम्मेलन महिलाओं के सशक्तिकरण और समाज में सकारात्मक बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। **वैभव श्री** की बहनें न केवल आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो रही हैं, अपितु समाज में जागरूकता और सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं।

रक्तदान शिविर का आयोजन

इन्दौर विभाग द्वारिका जिला, अहिल्या नगर सेवा विभाग एवं सेवा भारती रूझा॥ चिकित्सालय प्रकल्प के माध्यम से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 45 यूनिट्स एकत्रित हुआ।

कुष्ठ रोग निदान शिविर

समाज के प्रत्येक वर्ग एवं व्यक्ति का स्वस्थ रहना राष्ट्र के लिए अनिवार्य

सेवा भारती मालवा प्रान्त, समर्पण फाउंडेशन ट्रस्ट एवं भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी, मध्य प्रदेश के सहयोग से मालवा प्रांत में कुष्ठ रोग से प्रभावित रोगियों और उनके परिवारों के लिए निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर उन लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने का प्रयास था जो स्वयं चिकित्सा सुविधाओं तक पहुँचने में असमर्थ थे। यह अभियान 5 नवंबर को ग्वालियर से शुरू होकर 17 नवंबर को मंदसौर में समाप्त हुआ जिसमें मालवा प्रांत के 8 जिलों की 18 कुष्ठ बस्तियों में शिविर लगाए गए। इन शिविरों के माध्यम से 1212 परिवारों से 605 कुष्ठ रोगी लाभान्वित हुए। शिविर में आधुनिक तकनीक एवं प्रशिक्षित पेरामेडिक्स द्वारा रक्तचाप, रैंडम ब्लड शुगर तथा 19 पैरामीटर की रक्त जांचें की गई। कुष्ठ रोग के कारण अल्सर से जूझ रहे रोगियों के लिए विशेष उपचार की व्यवस्था की गई, जिसमें सफाई, ड्रेसिंग तथा कुछ छोटे ऑपरेशन भी शामिल थे। इन कार्यों को विशेष रूप से प्रशिक्षित ड्रेसर्स द्वारा किया गया।

कुष्ठ रोग और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के लिए अनुभवी डॉक्टरों की टीम द्वारा स्वास्थ्य परामर्श भी प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त आवश्यकतानुसार दवाइयां, महिलाओं को सैनिटरी पैड और शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों को सहायक उपकरण भी वितरित किए गए। चिकित्सीय दल में प्रोजेक्ट डायरेक्टर संतोष रानी, डॉ. अमित एवं पेरामेडिक्स की टीम के सदस्यों की सक्रिय भूमिका रही।

श्रीमद्भगवद्गीता प्रतियोगिता का आयोजन

सेवा भारती बालिका छात्रावास, उज्जैन में आयोजित हुई गायत्री परिवार द्वारा श्रीमद्भगवद्गीता जयंती- मोक्षदा एकादशी के उपलक्ष्य में गीता प्रतियोगिता के माध्यम से समझा गीता का महत्व

शिरीष जी टिल्लू एवं सुनीता जी देशपांडे द्वारा गीता के 12 वें अध्याय का पाठ करने के उपरांत इसका अर्थ स्पष्ट करते हुए प्रेरक मार्गदर्शन दिया गया । उद्बोधन में दी गई जानकारी को ही प्रतियोगिता स्वरूप प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया जिसमें बहनों के द्वारा उत्साह के साथ सहभागिता की गई। विजेता बहनों को पुरस्कार स्वरुप गुरुदेव श्रीराम शर्मा आचार्य का साहित्य भेंट देते हुए इसे पढ़कर जीवन में उतारने के लिए प्रेरित किया गया ।

केशव गौशाला में हुआ गौ माता पूजन कार्यक्रम

सेवा भारती दिव्यांग बालक छात्रावास केशवधाम, खंडवा में गोवर्धन पड़वा के उपलक्ष्य में गोवर्धन पूजा एवं गौ पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मुय अतिथि श्री विजय शाह(आदिम जाति कल्याण विभाग कैबिनेट मंत्री) सहित केशव गौशाला अध्यक्ष, गणमान्य नागरिक, जन प्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थिति रहे। सामूहिक गोवर्धन पूजन के इस कार्यक्रम में समाज से आए लगभग 300 अतिथियों ने सहभागिता की। गोवर्धन पूजन के साथ साथ गौ सेवकों का भी सेमान किया गया। कार्यक्रम में छात्रावास प्रबंधक द्वारा केशव गौशाला द्वारा निर्मित गौ कास्ट, जैविक खाद, केचुआ खाद, गौ अमृत आदि उत्पादों के विषय में जानकारी दी गई द्य

बाल शिक्षा केंद्रों का वार्षिकोत्सव सम्पन्न

समाज के प्रत्येक वर्ग एवं व्यक्ति का स्वस्थ रहना राष्ट्र के लिए अनिवार्य

÷न्यूनतम संसाधनों में दिया जा रहा है सर्वोत्तम ढंग से आधुनिक शिक्षा के साथ भारतीय जीवन मूल्यों का ज्ञान÷

सेवा भारती रतलाम द्वारा संचालित बाल शिक्षा केन्द्रों का वार्षिकोत्सव कार्यक्रम 17 दिसेंबर 2024 को बुद्धेश्वर हॉल में सेपन्न हुआ। कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति और परंपराओं के साथ वर्तमान में युवाओं के मध्य चुनौतियां और उनके निदान की झलक सराहनीय ढंग से प्रस्तुत की गई 7 विशेषतया बच्चों द्वारा नशा मुक्ति विषय पर लघु-नाटिका का सुंदर प्रस्तुतिकरण किया गया। कार्यक्रम में सेन्थिल कुमार जी (अखिल भारतीय स्वयं सेवा प्रमुख, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) ने इन केन्द्रों के संचालक बन्धु भागिनियों के प्रयास को सराहनीय बताया।

कार्यक्रम में माउ तेजराम जी माँगरोदा (विभाग संघचालक) उपस्थित रहे।

भगवान बिरसा मुंडा के चरित्र को किया जीवंत

15 नवंबर , जनजाति गौरव दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सीता वन जन कल्याण न्यास सेवा भारती द्वारा संचालित बालक छात्रावास सेवा धाम के बालकों ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन चरित्र पर नाटक की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में प्रशासन एवं सामाजिक संस्थाओं से अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। सेवाधाम के बालकों की सुंदर प्रस्तुति से उन्हें प्रथम स्थान प्राप्त हुआ एवं प्रतीक चिन्ह देकर उन्हें सेमानित किया गया।

आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम

सेवा भारती इन्दौर, स्वयं सहायता समूह की बहनों द्वारा निर्मित उत्पादों के विक्रय के लिए समय समय पर प्लेटफॉर्म भी उपलब्ध कराता है। वैभव श्री उदिता स्वयं सहायता समूह द्वारा बनाए गये उत्पादों के प्रदर्शन एवं विक्रय के लिए सुपर कॉरिडोर यश टेक्नोलॉजी पर स्टाल लगाया गया। सभी उत्पादों को सराहा गया और अच्छा विक्रय हुआ।

रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण वर्ग

सेवाभारती द्वारा संचालित प्रकल्प जनजातीय सशक्तिकरण केंद्र बड़ा घोंसलिया झाबुआ में दिवाली के अवसर पर मिठाई बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। जनजातीय क्षेत्र की परेपरागत मिठाई जिसे बूंदी बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। केंद्र द्वारा चयनित 10 गाँवों से 20 प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे। यह प्रशिक्षण देने हेतु ग्राम गोपाल पूरा से श्री गोबा जी मावी 2 दिवसीय प्रवास पर केन्द्र पर उपस्थित रहे।

सिलाई प्रशिक्षण प्राप्त कर आत्मनिर्भर हुई...कर रही हैं परिवार को सहयोग

सेवाभारती दिशा सिलाई प्रशिक्षण शाला झाबुआ से 2023 के द्वितीय बैच में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली सीमा वाखला वर्तमान में बी ए की पोई कर रही हैं और साथ ही साथ सिलाई का कार्य करके अपने परिवार को आर्थिक रूप से सहयोग भी कर रही हैं। सिलाई कार्य से महीने के चार से पांच हजार रुपये अर्जित कर अपनी पढ़ाई के साथ अपने दो भतीजों की स्कूल फीस भी जमा करती हैं। स्वयं के व्यय के लिए घर से मदद नहीं लेती, अपितु माता पिता की मदद करती हैं। ÷सेवा भारती के सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र से अत्यंत कम शुल्क पर उत्तम प्रशिक्षण लेने के बाद ही यह संभव हो पाया है÷ ये विचार व्यक्त करते हुए सीमा के मुख पर आत्मविश्वास की झलक थी।

सेवा भारती बालिका छात्रावास उज्जैन की दो बालिकाओं लकी देवड़ा एवं श्रुति कुशवाह (कक्षा 9 वीं) हृष्ट केडेट का फायरिंग के लिए चयन हुआ ।

विक्रम विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण के उपरांत आगामी प्रतियोगिता हेतु दोनों ने प्रशिक्षक टोली के साथ इंदौर प्रस्थान किया।

डॉ भीम राव आंबेडकर बालक छात्रावास ,उज्जैन में अध्ययनरत कक्षा 8 वीं के छात्र हिमांशु हिंदल जिला स्तर पर एकल गायन में द्वितीय स्थान प्राप्त किया । आगे संभाग स्तर प्रतियोगिता होगी ।

डॉ भीमराव रामजी अंबेडकर बालक छात्रावास , उज्जैन के छात्र शुभम नरवरिया(कक्षा 9 वीं) ने हृष्ट फायरिंग में प्रथम स्थान प्राप्त किया है । अगले चरण में विक्रम यूनिवर्सिटी में अेयास होगा , तत्पश्चात राष्ट्रीय स्तर पर अवसर प्राप्त होगा।

डॉ भीम राव आंबेडकर बालक छात्रावास, उज्जैन में अध्ययनरत कक्षा 8 वीं के छात्र कृष्णा परमार ने जिला स्तर प्रतियोगिता में प्रोजेक्ट द्वारा चुनाव प्रक्रिया को समझाने का मॉडल बनाकर प्रथम स्थान प्राप्त कर संभाग स्तर में अपना स्थान सुनिश्चित किया ।

बालिका छात्रावास %सेवा मन्दिर%, नीमच की कक्षा 7 वीं की 10 बालिकाओं ने दिनाँक 29 दिसेबर को सी एम राइज विद्यालय की ओर से हॉकी प्रतियोगिता में भाग लिया और सिल्वर मेडल प्राप्त किया।

जनजातीय सशक्तिकरण केंद्र बड़ा घोंसलिया, मेघनगर झाबुआ में दिनांक 22 से 30 नवंबर तक 7 दिवसीय बाइक रिपेयरिंग प्रशिक्षण आयोजित किया गया जिसमें 22 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इन्हीं में से थे

राजेंद्र सिंह सोलंकी निवासी पारा जिला झाबुआ। राजेंद्र जी अभी तक केवल गाड़ी वाशिंग और पंचर पकाने का ही कार्य करते थे जिससे 400 से 500 रुपए प्रतिदिन की आमदनी हो जाती थी। किन्तु इस बाइक रिपेयरिंग प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद उन्होंने अपनी दुकान का विस्तारीकरण किया। अब उन्होंने शॉक अप, वायरिंग, इंजिन, चेन स्प्रोकेट , कार्बोरेटर रिपेयरिंग एवं विक्रय का भी कार्य शुरू कर दिया। वर्तमान में इस कार्य वृद्धि से उन्हें 1500 से 2000 रुपए तक प्रतिदिन आमदनी प्राप्त हो रही है।

रतलाम सेवा भारती द्वारा संचालित श्री गुरु जी बालक छात्रावास के 6ह्लद्ध कक्षा के बालक विजय चारेल का क्रीा भारती द्वारा आयोजित खेल सेबंधित ऑनलाइन परीक्षा में जिला स्तरीय चयन हुआ।

सेवा भारती रतलाम द्वारा संचालित श्री गुरूजी बालक छात्रावास के छात्र दयाराम अमलियार को पिछले सत्र 9वी में प्रथम स्थान आने पर और नरेंद्र निनामा को 11वी में प्रथम स्थान आने पर एवं वर्तमान सत्र में 12वी में नरेंद्र निनामा की शतप्रतिशत उपस्थिति होने पर शासकीय जवाहर स्कूल द्वारा दोनों छात्रों को प्रमाण पत्र तथा पुरुस्कार से सेमानित किया गया।

सेवाभारती इंदौर द्वारा संचालित बालिका छात्रावास जीवन उमंग, बिचौली मर्दाना की 10 बलिकाओं ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय,इंदौर द्वारा आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लिया। जिसमें खोखो, कबड्डी, कुर्सी दौड़, रांगोली, मेहंदी और गोला फेंक प्रतियोगिताएं सेंमिलित थीं। इन प्रतियोगिताओं में परिणाम स्वरूप कक्षा 6ठीं की 3 बहिनों ने दौड़ में क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान, कक्षा 7वीं में भी दौड़ में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया द्य कक्षा 8वी की बालिका चेयर रेस में प्रथम स्थान पर रही द्य मेहंदी प्रतियोगिता में कक्षा 7वी की बालिका ने प्रथम स्थान प्राप्त किया द्य गोला फेंक और दौड़ में कक्षा 12 वी की छात्रा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता समापन के उपरांत विद्यालय के शिक्षकों के द्वारा बालिकाओं को पुरुस्कृत किया गया।

देश में अंधत्व निवारण में परिजनों की अनुकरणीय एवं स्तुत्य पहल

बद्रीनाथ जिला इन्दौर के सह शारीरिक शिक्षण प्रमुख निर्मल जी पाटीदार की पूज्य माताजी श्रीमती सुमनजी पाटीदार (निसरपुर) का 07/10/2024 को प्रातः निधन हो गया था। सेवा-भारती इन्दौर की अल्प सूचना और आग्रह पर पाटीदार जी एवं परिजनों द्वारा पूज्य माताजी के ÷नेत्र दान÷ हेतु सहमति प्रदान की गई। एम.के. इंटरनेशनल आई बैंक के चिकित्साकर्मियों के सहयोग से नेत्रदान की प्रक्रिया पूर्ण हुई।

कमला देवी देवड़ा के नेत्रदान से दो अंधजनों को मिली नई रोशनी

सेवानिवृत्त शिक्षक और कवि मदन देवड़ा की धर्मपत्नी कमला देवी देवड़ा के निधन के पश्चात देवड़ा परिवार ने उनके नेत्रदान का निर्णय लिया।

10 दिसंबर को जैसे ही केशव माधव सेवा समिति को कमला देवी देवड़ा के निधन की सूचना मिली तो समिति के सदस्य ने तुरंत परिवार से संपर्क कर उन्हें नेत्रदान के महत्व के बारे में बताया और उन्होंने इस नेक कार्य के लिए सहमति प्रदान की। इसके पश्चात समिति के सदस्यों ने नेत्रदान की प्रक्रिया सेपूर्ण की। उनकी इस अनुकरणीय पहल से दो अंधजनों को नई रोशनी मिली। केशव माधव सेवा समिति तराना द्वारा पूरे क्षेत्र में सतत् नेत्रदान अभियान चलाया जा रहा है। समिति ने विशेष रूप से ऑनलाइन नेत्रदान संकल्प अभियान भी शुरू किया है, जिसमें लोग क्यूआर कोड स्कैन करके मरणोपरांत नेत्रदान का संकल्प ले सकते हैं।

झलकियाँ

सेवा भारती इन्दौर, बद्रीनाथ जिला में संचालित स्वयं सिद्धा सिलाई केन्द्र,निरंजनपुर में बच्चों की शाम 4 से 7 नियमित कोचिंग कक्षा चलती है जहाँ वीर बाल दिवस मनाया गया। हेमंत पाटीदार जी ने श्री गुरु गोबिंद सिंह जी और उनके बच्चों के बलिदान के विषय में वीडियो के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी।

सेवा भारती जिला बड़वानी द्वारा सुपोषण जागरूकता अभियान के अंतर्गत शिवाजी बस्ती,राजपुर नगर में स्वास्थ्य शिविर आयोजित हुआ जिसमें क्ख्ह डॉ. देवेन्द्र रोमडे व उनकी टीम ने 55 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया ।

इंदौर नगर निगम द्वारा आयोजित साँझा उत्सव मेला में सेवा भारती इंदौर के चार स्वयं सहायता समूह ने सहभागिता की। समापन कार्यक्रम में इंदौर के महापौर पुष्यमित्र जी भार्गव द्वारा इन स्वयं सहायता समूह द्वारा लगाई गई स्टॉल का अवलोकन किया गया एवं उन्हें प्रशंसा पत्र वितरित किए।

सेवा भारती के सुपोषण जागरूकता एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का लिया 346 समाजजन ने लाभ

सेवा भारती द्वारा धामनोद में इंदिरा नगर पानी की टंकी परिसर में सुपोषण जागरूकता अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, आंगनबॉी और कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा। मुेय अतिथि कालू सिंह जी ठाकुर, विधायक धरमपुरी, मुेय वक्ता प्रसिद्ध आहार विशेषज्ञ संत श्री वेदांत सागर गुरुजी, सावदा वाले थे जिन्होंने आहारचर्या में पथ्य एवं अपथ्य का विवरण देकर उचित एवं संतुलित आहार कैसे करें, इस विषय पर प्रभावशाली उद्बोधन दिया। शिविर में क्ख्ह डॉ कीर्ति बोरासी के निर्देशन में डॉ देवो व स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ रश्मि चौहान द्वारा सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण व परामर्श और स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा रक्तचाप, हीमोग्लोबिन, सिकल सेल एनीमिया आदि की जाँच की गई जिनसे कुल 346 समाजजन लाभान्वित हुए। परीक्षण के उपरांत गु,चने और मोरधन से बनी पौष्टिक खिचौ का वितराण भी किया गया।

स्मरणीय विभूतियाँ

राजगुरु, सरदार भगतसिंह, सुखदेव
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक
शहीद दिवस - 23 मार्च

सावित्री बाई फुले
प्रथम महिला शिक्षिका
पुण्य तिथि - 10 मार्च

श्री रामकृष्ण परमहंस
महान संत, आध्यात्मिक गुरु एवं विचारक
जयंती - 1 मार्च

चन्द्र शेखर आजाद
स्वतंत्रता संग्राम के सेनानी
शहीद दिवस - 27 फरवरी

विनायक दामोदर सावरकर
क्रांतिकारी व स्वतंत्रता सेनानी
पुण्य तिथि - 26 फरवरी

माधव सदाशिव गोलवलकर
द्वितीय सरसंघचालक(रा.स्व.सं)
जयंती - 19 फरवरी

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय
चिन्तक व संगठनकर्ता
पुण्य तिथि - 11 फरवरी

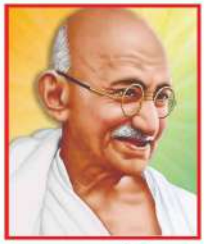

महात्मा गाँधी
भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के नेता
पुण्य तिथि - 30 जनवरी

सुभाष चन्द्र बोस
भारत के स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी
जयंती - 23 जनवरी

स्वामी विवेकानंद
राष्ट्रीय युवा दिवस
जयंती - 12 जनवरी

महत्वपूर्ण त्यौहार व दिवस

13 जनवरी – प्रयाग कुंभ प्रारंभ
14 जनवरी – मकर संक्रान्ति पर्व
29 जनवरी – मौनी अमावस्या
03 फरवरी – बसन्त पंचमी
26 फरवरी – महाशिवरात्रि व्रत

13 मार्च – होलिका दहन
14 मार्च – धुलंडी
16 मार्च – भाईदूज
22 मार्च – शीतलाष्मी

डाक वितरण नहीं होने की स्थिति में लौटाएँ –
प्रेषक : सेवा भारती
34, तिलकपथ नागपुर नागरिक सह. बैक
के ऊपर इन्दौर म.प्र. – 452007
फोन नं. 0731–2548483

बुक–पोस्ट
सेवा पथिक